मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 29 जनवरी 2016

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	30/01/16	31/01/16	01/02/16	02/02/16	03/02/16
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	27	27	28	28	29
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	13	12	12	12	11
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	1	1	0	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	80	82	84	88	90
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	32	34	36	38	42
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	7	6	7	4
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
गेहुं		किसान भाई गेहुं की पछेती बोई गई फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
जीरा	बीज	जीरे की फसल इस समय बीज बनने की अवस्था पर है फसल में सिंचाई करें।
सरसों	फली	मौसम की ऐसी परिस्थिति में सरसों में मोयला कीट का प्रकोप बढ़ सकता है। इसलिए नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ईसी. की 1.25 लीटर मात्रा का प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
चना	फली	चने की फसल में फलियां आते समय सिंचाई दें।
मेथी	पुष्प	मेथी की फसल में तुलासिता (डाउनी मिल्ड्यू) रोग के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
प्याज	वनस्पतिक	प्याज की फसल में 10–12 दिन के अन्तर पर सिंचाई करें।
पशु		पशुओं के अच्छे स्वास्थ व दुग्ध उत्पादन के लिए नमक तथा खनिज मिश्रण अवश्य दें।

(नौडल ऑफीसर)